RNI No.: DEL/BIL/2004/14598

Youngster

YOUNGSTER • ESTABLISHED 2004 • NEW DELHI • SEPTEMBER 2018 • PAGES 8 • PRICE 1/- • MONTHLY BILINGUAL (HIN./ENG.)

श्री सिद्धि विनायक मंदिर में धूम-धाम से संपन्न हुआ गणेशोत्सव

श्री गणेश जी की सुंन्दर झाँकी

श्री गणेश जी की आराधया करती हुई श्री मती कुसुम गुप्ता व आयोजन समिति के अन्य सदस्य

22 सितंबर, 2018, दिल्ली ।
श्री गणेश उत्सव आयोजन समिति, रोहिणी, दिल्ली के तत्वावधन में हर साल आयोजित होने वाले श्री गणेशोत्सव कार्यक्रम आज विधिवत रूप से पूजा अर्चना के साथ बड़े धूम–धाम से मनाया गया। आयोजन समिति के संस्थापक डॉ. राम कैलाश गुप्ता, पी. सी. गर्ग (पी.सी. ज्वेलर्स) व समिति के अन्य सदस्यों द्वारा सर्वप्रथम गणेश पूजन व वंदना किया गया। इस विशेष गणेशोत्सव महापर्व पर एक विशाल शोभा यात्रा भी निकाली गई। डॉ. राम कैलाश गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति व उसके महत्त्व को समझने में सहायक सिद्ध होते हैं तथा अपनी भारतीय संस्कृति के विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का एक सरल और उत्तम साधन है। शोभा यात्रा की शुरुआत डॉ. राम कैलाश गुप्ता, चेयरमैन, टेक्निया ग्रुप, द्वारा झंडी दिखाकर किया गया। शोभा यात्रा में विभिन्न देवी–देवताओं की सुंदर झांकियाँ, बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं और स्वच्छता पखवाड़ा अभियान की झांकियों के साथ बैंड–बाजे, शहनाई और ढ़ोल–तमाशे बरबस लोगों का ध्यान आकृष्ट कर रहे थे। शोभा यात्रा की अगुवाई टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ

विशाल शोभा यात्रा निकाल, दिया सद्भाव का संदेश।
धूम–धाम से संपन्न हुआ गणेशोत्सव।
विशाल भंडारे का हुआ आयोजन।

एडवांस्ड स्टडीज के बाइक सवारों के एक दस्ते ने की। झांकियों में अष्टावक्र स्कूल ऑफ स्पेशल चिल्ड्रेन, स्पेशल आर्ट स्कूल, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स एजुकेशन, टेक्निया इंटरनेशनल स्कूल और अष्टावक्र इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबीलिषन साइंसेस एंड रिसर्च संस्थान की विभिन्न झांकियाँ शोभा यात्रा में शामिल थीं। शोभा यात्रा पी. सी. ज्वेलर्स, कोहाट एन्क्लेव से शुरू होकर मधुबन चौक होते हुए फायर ब्रिगेड मुख्यालय से कथा स्थल, श्री गणेश मंदिर, अष्टावक्र स्कूल ऑफ स्पेशल चिल्ड्रेन, रोहिणी, सेक्टर 14 में समाप्त हुई। शोभा यात्रा के उपरांत देर शाम तक भक्तों ने आयोजित डांडिया व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। जगह–जगह शोभा यात्रा का श्रद्धालुओं ने फूल–मालाओं से स्वागत किया। श्री गणेश मंदिर परिसर में शोभा यात्रा के पंहुचने के उपरांत भक्तों द्वारा श्री गणेश जी की महाआरती संपन्न हुई। इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे का प्रसाद भक्तों ने ग्रहण किया। इस धार्मिक कार्यक्रम में अनेक राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ–साथ टेक्निया ग्रुप के सभी संस्थाओं के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र व छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिनिधित्व किया।

प्रस्तुतिः-
शम्भू शरण गुप्ता

डा. राम कैलाश गुप्ता,व आयोजन समिति के अन्य सदस्य

डांडिया कार्यक्रम में कॉलेज व स्कूल के छात्र व छात्राएं।

डांडिया कार्यक्रम मे श्री मती कुसुम गुप्ता व अन्य सदस्य

शिक्षक दिवस से जुड़ी ये 20 बातें

गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय।

बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय।।

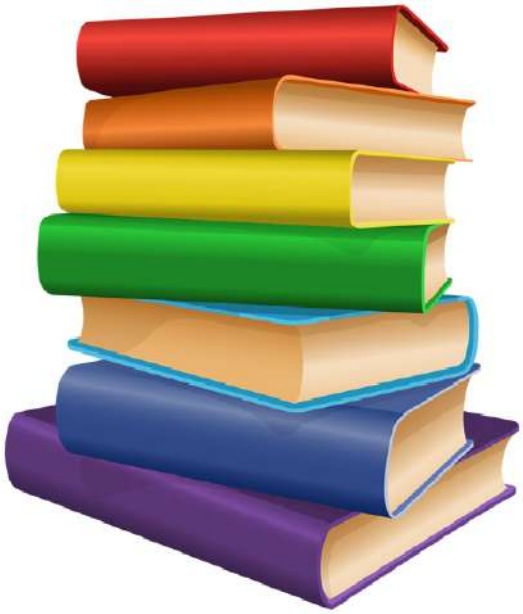

अर्थात् गुरू और गोविदं (भगवान) ,के साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए, गुरू को अथवा गोविदं को? ऐसी स्थिति में गुरू के श्रीचरणों में शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

गुरू बिन ज्ञान न उपजै, गुरू बिन मिलै न मोष।

गुरू बिन लखै न सत्य को गुरू बिन मिटै न दोष।।

कबीर दास जी कहते हैं – हे सांसरिक प्राणियों। बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है। तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों में जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मार्ग रूपी में दिखलाने वाले गुरू हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ। गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे।

गुरू पारस को अन्तरो, जानत हैं सब संत।

वह लोहा कंचन करे, ये करि लेय महंत।।

अथात् गुरू और पारस के अन्तर को सभी ज्ञानी पुरूष जानते हैं। पारस मणि के विषय जग विख्यात हैं कि उसके स्पर्श से लोहा सोने का बन जाता है किन्तु गुरू भी इतने महान हैं कि अपने ज्ञान में ढालकर शिष्य को अपने जैसा ही महान बना लेते हैं।

डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी। शिक्षक दिवस से जुड़ी ये 20 बातें ध्यान देने योग्य हैं

1–1962 में देश के राष्ट्रपति बने डॉक्टर राधाकृष्णन एक महान शिक्षाविद् और शिक्षक के रूप में दुनिया भर में जाने जाते हैं।

2–डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन का मानना था कि देश में सर्वश्रेष्ठ दिमाग वाले लोगों को ही शिक्षक बनना चाहिए ।

3–डॉक्टर राधाकृष्णन के पिता उनके अंग्रेजी पढ़ने या स्कूल जाने के खिलाफ थे। वह अपने बेटे को पुजारी बनाना चाहते थे।

4–डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन बेहद ही मेधावी छात्र थे और उन्होंने अपनी अधिकतर पढ़ाई छात्रवृत्ति के आधार पर ही पूरी की।

5–सर्वपल्ली राधाकृष्णन छात्रों में इतने लोकप्रिय थे कि जब वह कलकत्ता जा रहे थे, उन्हें मैसूर विश्वविद्यालय से रेलवे स्टेशन तक फूलों की बग्घी में ले जाया गया था।

6–जानेकृमाने प्रोफेसर राधाकृष्णन के लेक्चर से इतने प्रभावित हुए, कि उन्होंने लंदन विश्वविद्यालय में उनके लिए चेयर स्थापित करने का फैसला कर।

7–शिक्षा के में डॉक्टर राधाकृष्णन के अभूतपूर्व योगदान के लिए 1931 में उन्हें ब्रिटिश सरकार ने नाइट के सम्मान से भी नवाजा।

8–वर्ष 2015–16 तक देश में कुल शिक्षकों की संख्या 42,74,206 है। इनमें राज्य सरकार और सर्व शिक्षको अभियान द्वारा नियुक्त शिक्षक शामिल हैं।

9–भारत में प्राथमिक महिला शिक्षकों की भागीदारी 2014 तक 49–49 फीसदी थी। जबकि माध्यमिक शिक्षको में यह भागीदारी 43–21 प्रतिशत थी।

10–दुनिया में सबसे ज्यादा महिला शिक्षक रूस में हैं। वर्ष 2014 में यहां 98–81 प्रतिशत प्राथमिक महिला शिक्षक थीं। इसके बाद ब्राजील 89–64 का नंबर आता है।

11–दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में अलग–अलग तारीख पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। हालांकि विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टुबर को मनाया जाता है ।

12–यूनेस्को ने 1994 में शिक्षकों के कार्य की सराहना के लि, 5 अक्टुबर को विश्व शिक्षक दिवस के रूप में मनने को लेकर मान्यता दी थी।

13–अमेरिका में 1944 में मैटे वायटे वुडब्रिज ने सबसे पहले वकालत की। फिर 1953 में कांग्रेस ने मान्यता दी। 1980 में 7 मार्च को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में चुना गया। मगर बाद में मई के पहले मंगलवार को इसका आयोजन किया गया।

14–सिंगापुर में सितंबर के पहले शुक्रवार को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। जबकि अफगानिस्तान में पांच अक्टूबर को ही यह दिवस मनाया जाता है।

15–हैरी पॉटर सीरीज की लेखिका पहले जे.के. रोलिंग पुर्तगाल में बच्चों को पढ़ाया करती थीं।

16–यूनेस्को के मुताबिक वर्ष 2030 तक प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक के लक्ष्य को पूरा करने के लिए 6–9 करोड़ शिक्षकों की जरूरत होगी।

17–सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले को देश की पहली महिला शिक्षक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने लड़कियों की शिक्षक में अहम योगदान दिया था।

18–देश में वर्ष 2015–16 तक हर 23प्राथमिक, 37 उच्च माध्यमिक और 24 उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों पर एक–एक शिक्षक उपलब्ध है।

19–मानव संसाधन विकास मंत्रालय के मुताबिक 2015–16 में देश में 26,06,120 प्राथमिक शिक्षक थे।

20–देश में 1951 में 5,38,000 प्राथमिक शिक्षक थे, जिनमें 4,56,000 पुरुष शिक्षक और 82,000 महिला शिक्षक थीं।

प्रस्तुतिः-
राहुल मित्तल

टेक्निया के एपीजी सीरीज का प्रथम व उद्घाटन टॉक शो कार्यक्रम हुआ आयोजित

डॉ. राम कैलाश गुप्ता जी, चैयरमेन टेक्निया ग्रुप, वैश्विक व्यक्तित्व ओम प्रकाश यादव लीलियन यादव के साथ टेक्निया परिवार और बीए–जेएमसी व एमबीए, के छात्र–छात्राएं

7 सितंबर 2018, दिल्ली

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज और अपना परिवार ग्लोबल (एपीजी) द्वारा आयोजित टेक्निया – एपीजी सीरीज का प्रथम व उद्घाटन टॉक शो कार्यक्रम आज टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज,दिल्ली ऑडिटोरिय में भारतीय व वैश्विक व्यक्तित्व ओमप्रकाश यादव व लीलियन यादव, संस्थापक, होटल ब्यू साईट, एडेलबोडेन और होटल ईगरब्लिक, ग्रीण्डलवाल्ड, स्विट्जरलैंड और चेयरमैन डॉ. राम कैलाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। आयोजित टॉक शो कार्यक्रम में अप्रवासी वैश्विक व्यक्तित्व ओम प्रकाश यादव और लीलियन यादव से बीए –जेएमसी और एमबीए विभाग के विद्यार्थियों ने सफलता, कैरियर, चुनौतियों का कैसे सामना करें, सफलता के लिए क्या आवश्यक है, आप कैसे सफल हुए, भारत और स्विट्जरलैंड की लाइफस्टाइल अलग–अलग है, कैसे आप इसे मैनेज करते हैं, आप आगे और किस क्षेत्र में निवेश का प्लान कर रहे हैं, आपका आईडल कौन है? आदि प्रश्नों के साथ अनेक प्रश्न किए।

- टेक्निया के विद्यार्थियों को मिला एक और वैश्विक अवसर।
- वैश्विक व्यक्तित्व ओमप्रकाश यादव का चेयरमैन टेक्निया ने किया स्वागत।
- वैश्विक व्यक्तित्व लीलियन यादव का डा निधि गुप्ता, एकेडमिक को–ऑर्डिनेटर ने स्वागत किया।

अपनी सफलता के साथ जोड़ते हुए श्री यादव ने बहुत ही बारीकी के साथ बच्चों के हर सवाल का जवाब दिए। सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति के सफलता की शुरुआत उसके पहले कदम से शुरू होती है। जिसके लिए आपके पास ईमानदारी, जिम्मेदारी का निर्वहन, अनुभव और ज्ञान, व्यवसायिक ज्ञान, एक सपना, सामाजिक समझ, अपने आईडिया, शिक्षा और स्वस्थ शरीर का होना बहुत जरूरी है। सपने को बहुत जरूरी बताया और कहा कि यदि आप के पास एक सपना है और उसे पाने के लिए आप कार्य कर रहे हैं तो आप उसे पा सकते हैं। अपने आईडल व्यक्तित्व जमशेद जी टाटा के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने उस समय स्टील बनाने का सपना देखा था जब हमारे भारत में स्टील की कोई फैक्ट्री नहीं थी और उस सपने को पूरा करते हुए और भी अनेक क्षेत्रों में अपार सफलता अर्जित किया। अध्यात्म के लिए उन्होंने गीता, कबीर, रहीम और गुरुनानक का उल्लेख करते हुए कहा कि हम इन्हें पढ़कर प्रेरित होते है और सामाजिक कार्य के लिए

शेष पृष्ठ 04 पर .....

वैश्विक व्यक्तित्व ओम प्रकाश का स्वागत करते हुए डॉ. राम कैलाश गुप्ता जी

लीलियन यादव का स्वागत करते हुए

टॉक शो' कार्यक्रम मे प्रश्न करती हुई छात्रा

पृष्ठ ०३ का शेष.....

ग्रामीण बच्चों के लिए शिक्षा पर कार्य करने के लिए सोच रहे हैं। उन्होंने गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्म करों और फल की चिंता मत करों। आप दूसरों को क्या दे सकते हैं अर्थात आप जिस भी संस्थान या कंपनी के साथ जुड़कर कार्य कर रहे हैं उसे पूरी निष्ठा के साथ करें। एक सवाल पर लीलियन यादव ने कहा कि आप खुद पर विश्वास रखें, अपने गोल के प्रति समर्पित रहें व निष्पक्ष रहें। आप यह देखें कि वहां क्या है न कि क्या नहीं है। चुनौती को स्वीकार करने की खुद में क्षमता पैदा करें। इन सभी गुणों के साथ आप निश्चित रूप से एक सफल व्यक्ति बन सक सकते हैं। श्री यादव भविष्य में मेन्युफैक्चरिंग, मैकेनिक और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपने निवेश करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विनर बनने के लिए आपको शारीरिक रूप से भी स्वस्थ और हैप्पी होना होगा। कार्यक्रम की शुरुआत में टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज, के चेयरमैन डॉ. राम कैलाश गुप्ता, ने वैश्विक व्यक्तित्व ओम प्रकाश यादव को बुके देकर स्वागत किया । एकेडमिक को–आर्डिनेटर डॉ. निधि गुप्ता ने लीलियन यादव को बुके देकर स्वागत किया। डॉ. राम कैलाश गुप्ता, चेयरमैन, टेक्निया को डॉ. अजय राठौर डायरेक्टर टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज, ने बुके देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर चेयरमैन डॉ. राम कैलाश गुप्ता ने कहा कि टेक्निया परिवार का एक नया वेंचर अपना परिवार ग्लोबल (एपीजी) वैश्विक स्तर पर दुनिया के टॉप 100 बिजनस क्लास के सदस्यों के साथ शुरू किया है जिसका यह आज पहला और उद्घाटन टॉक शो कार्यक्रम है। आप इसके अंतर्गत आज कैरियर और चुनौतियों को कैसे स्वीकारें विषय पर जानकारियां प्राप्त करेंगे।टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज, के एडवाइजरी बोर्ड की सदस्यता के लिए ऑफर को ओमप्रकाश यादव जी द्वारा स्वीकार करने पर चेयरमैन और टेक्निया परिवार अपनी खुशी जाहिर किया।कार्यक्रम के अंत में वैश्विक व्यक्तित्व ओमप्रकाश यादव व लीलियन यादव, संस्थापक, होटल ब्यू साईट, एडेलबोडेन और होटल ईगरब्लिक, ग्रीण्डलवाल्ड, स्विट्जरलैंड और चेयरमैन डॉ. राम कैलाश गुप्ता के प्रति हार्दिक आभार और धन्यवाद ज्ञापन अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज, ने किया। कार्यक्रम में बीए (जेएमसी) और एमबीए के सभी छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और दोनों विभाग के फेकल्टी भी उपस्थित थे।

प्रस्तुतिः–
मनस्वी दत्ता

टॉक शो' कार्यक्रम में डा. राम कैलाश गुप्ता ओमप्रकाश यादव व लीलियन यादव

टॉक शो' कार्यक्रम मे प्रश्न पुछती हुए छात्रा

टेक्निया राइजिंग स्टार में छः प्रतिभागियों का हुआ चयन

रेडियो सिटी, नई दिल्ली जितेंद्र भट्टाचार्य,हिमांशु,और कार्यक्रम संयोजक हनी शाह, असिस्टेंट प्रोफेसर, बीए (जे एमसी) विभाग

कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए बीए (जे एमसी) का छात्रा

12 सितंबर 2018, दिल्ली

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज, दिल्ली के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अभिव्यक्ति क्लब द्वारा और रेडियो सिटी के सहयोग से टेक्निया राइजिंग स्टार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्जवलित कर किया गया। आज का यह कार्यक्रम रेडियो सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हो रहे सुपर सिंगर : सीजन 10 की एक कड़ी है। इस कार्यक्रम में टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज, दिल्ली के बीए (जेएमसी), एमसीए, बीबीए और एमबीए विभाग के कुल 72 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। टेक्निया राइजिंग स्टार के रूप में कुल छः प्रतिभागियों का चयन रेडियो सिटी, नई दिल्ली के जज द्वारा किया गया। आयोजित कार्यक्रम के शुभ अवसर पर हिमांशु, आर. जे. और जज के रूप में जितेंद्र भट्टाचार्य, रेडियो सिटी, नई दिल्ली मौजूद थे। उस कार्यक्रम में उपस्थित जमीर अहमद, मार्केटिंग मैनेजर, जितेंद्र भट्टाचार्य और हिमांशु (आर.जे.) रेडियो सिटी, नई दिल्ली को गणेश जी की प्रतिमा देकर कार्यक्रम संयोजक हनी शाह, असिस्टेंट प्रोफेसर, बीए (जे एमसी) विभाग, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज,दिल्ली ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में बीए (जेएमसी) पूर्वान्ह, पंचम सेमेस्टर डिवीजन ए और बी के छात्र–छात्राओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही।

प्रस्तुतिः–
हनी शाह

हिंदी का विकास और वैश्विक पटल

संपादक की कलम से

वैश्विक पटल पर हिंदी भाषा के विकास की पड़ताल करें तो 20वीं सदी के अंतिम दो दशकों में अन्य किसी भाषा की अपेक्षा हिंदी का वैश्विक विकास बहुत तेजी से हुआ है। प्रवासी भारतीय व अन्य जो हिंदी भाषा प्रेमी हैं, कभी एक–एक रचना के लिए लालायित रहते थे। वे सूचना संचार तकनीक के माध्यम से आज पूरा का पूरा महाग्रंथ न सिर्फ पढ़ रहे हैं बल्कि उस पर अपने सुझाव के साथ–साथ अपने विचारों से भी अवगत कराते हुए हिंदी के विकास का वैश्विक पटल एहसास भी करा रहे हैं। हिंदी का विकास हमारी रुचि और सजगता के साथ जुड़ा है। ऑनलाइन माध्यमों वेबसाइट्स, ब्लॉग, एप्लीकेशन के साथ–साथ यू ट्यूब चैनल पर अतीत से लेकर वर्तमान के हिंदी साहित्य को देखा, पढ़ा और सुना जा रहा है। दुनिया के अनेक राष्ट्रों अमेरिका, रूस, यूनाइटेड किंग्डम, इंग्लैंड, नेपाल, चीन, रूस, साऊथ अफ्रीका, त्रिनिनाद टू बैको और मारिशस आदि देशों में इसके महत्त्व को स्वीकारी जा रही है। आज भले ही निजी स्वार्थों जैसे बाजार, सिनेमा, मीडिया और अपनी रुचि के आधार पर हिंदी का स्थान वैश्विक पटल पर एक नए व विकासपरक आयामों को जन्म दे रही है, जो भारतीयों व हिंदी प्रेमियों के लिए किसी गौरव से कम नहीं है। वैश्विक पटल पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा भी हिंदी के विकास में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। हिंदी के विकास के लिए विश्वविद्यालय श्रीलंका, हंगरी, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस, चीन और मारिशस आदि देशों के विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक अनुबंध भी किया है। इस विश्वविद्यालय में विदेशी छात्र–छात्राओं के लिए हिंदी भाषा में डिप्लोमा से लेकर पीएच. डी. पाठ्यक्रम संचालित है। वर्ष 2016 के प्रारंभ तक इस विश्वविद्यालय से ग्यारह देशों के कुल 131 जिनमें 86 महिला और 45 पुरुष विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर चुके हैं। आज कंप्यूटर, लैपटाप, स्मार्टवाच, स्मार्टफोन, टैबलेट और मोबाइल आदि तकनीक से जुड़े उपकरणों ने हिंदी को देश और काल की सीमा से परे वैश्विक पटल तक प्रसारित करने में मदद कर रहा है। इस संदर्भ में चेनाराम 'वेबमीडिया और हिंदी का वैश्विक परिदृश्य' में लिखते हैं कि –'भारत तक पहुंचने के लिए बड़ी से बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भी हिंदी और भारतीय भाषाओं का सहारा लेनी पड़ी है। क्योंकि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसमें बाजार की प्रचुरता है और उत्पाद की बिक्री का आश्रय स्थल भी है और उस आश्रय स्थल में हिंदी भाषा से ही शरण मिलती है। आगे लिखते हैं कि बाजारीकरण ने आर्थिक उदारीकरण, सूचना क्रांति तथा जीवनशैली के वैश्वीकरण की स्थितियों से हिंदी भाषा की अभिव्यक्ति कौशल का विकास ही हुआ है। अभिव्यक्ति कौशल के विकास का अर्थ भाषा का विकास ही है।'भाषा के बारे में प्रख्यात साहित्य समालोचक टेरी ईगलटन कहते हैं कि 'भाषा सबसे पहले अन्य लोगों के साथ आपके अपने होने का माध्यम है। काम करा ले जाने का माध्यम वह उसके बाद है।' भाषा के महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रो. चन्द्रकला पाडिया कहती हैं कि–'राष्ट्र निर्माण में भाषा की क्या भूमिका हो सकती है। वह हमें चीन, जापान, कोरिया जैसे देशों से सीखना चाहिए।' हिंदी की सामर्थ्यता के बारे में बी.बी.सी. के भारत स्थित पूर्व प्रतिनिधि मार्क टूली ने अप्रैल 26, 2009 को प्रभात खबर में लिखते हैं कि –'हिंदी दुनिया की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, जबकि भारत में बमुश्किल से पांच फीसद लोग अंग्रेजी समझते हैं। यही पांच फीसद लोग बाकी भाषा–भाषियों पर अपना प्रभुत्व जमाए हुए हैं। भारत व उसके अस्मिता की सुरक्षा करने की बात करे तो हमें अपनी लघु मानसिकता और तुच्छ लोभ से आगे निकलते हुए हिंदी को वैश्विक पटल पर बरकरार रखने के लिए तत्पर रहना होगा तभी हम एक नए और विकसित भारत का नव–निर्माण कर सकते हैं जिसमें हिंदी का स्थान वैश्विक पटल पर सर्वोच्च स्थान पर होगा।

Digital Literacy Programme

Quiz Programme

CROSS COUNTRY RACE @ GGSIPU

टायस ओपेन माइक कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने हुनर से कराया रूबरू

11 सितंबर 2018, दिल्ली

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रेस एवं मीडिया क्लब द्वारा आयोजित टायस ओपेन माइक कार्यक्रम में बाल शिक्षा, बेरोजगारी, आर्थिक गरीबी और नैतिक संबंधों जैसे अनेक विषयों पर आधारित कविताएं, कहानी कहने की कला और काल्पनिक कहानियां प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम की शुरुआत आज 12.00 बजे टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज, दिल्ली के ऑडिटोरियम में द अर्बन टाइपराइटर के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्ज्वलत कर किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में द अर्बन टाइपराइटर के सिद्धार्थ पब्बी ने बताया कि हर व्यक्ति के अंदर कोई न कोई एक हूनर अवश्य होती है, बस हमें उसकी पहचान कर उसे एक मंच देने की जरूरत है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है कि आपके अंदर छिपे हूनर को बाहर निकालना और उसे एक मंच प्रदान करना। कार्यक्रम में बीए (जे एमसी), एमसीए,बीबीए और एमबीए विभाग के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और रचनाशील प्रस्तुतियों से दर्शकों को अपने हुनर से रूबरू कराया। इससे पहले कार्यक्रम में टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सोलो सॉन्ग, सोलो डांस और अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सोनिया बत्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, बीए (जेएमसी) विभाग ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में बीए (जेएमसी) सांध्य, पंचम सेमेस्टर डिवीजन बी के छात्र–छात्राओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही।

कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागी

सिद्धार्थ पब्बी और सोनिया बत्रा, दीप प्रज्जवलित करते हुए

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

प्रस्तुतिः–
सोनिया बत्रा,

Teacher's Day -2018

-यं.ब्यूरो

THIS MONTH

September 5, 1774 - The First Continental Congress assembled in Philadelphia with 56 delegates, representing every colony, except Georgia. Attendants included Patrick Henry, George Washington, Sam Adams and John Hancock.

*****

September 5-6, 1972 - Eleven members of the Israeli Olympic Team were killed during an attack on the Olympic Village in Munich by members of the Black September faction of the Palestinian Liberation Army. Israeli jets then bombed Palestinian positions in Lebanon and Syria in retaliation on September 8, 1972.

*****

September 5, 1975 - The first of two September assassination attempts on President Gerald Fordoccurred as a woman pointed a gun at the President in Sacramento, California. Two weeks later, a second attempt occurred as another woman fired a shot at Ford in San Francisco. Ford was not harmed in either incident.

*****

September 5, 1997 - Mother Teresa died in Calcutta at age 87, after a life of good works spent aiding the sick and poor in India through her Missionaries of Charity order.

*****

September 7, 1986 - Bishop Desmond Tutu became Archbishop of Cape Town, South Africa, the first black head of South Africa's Anglicans.

Compilation: Honey Shah

Workshop on Camera Light and Sound

BASICS OF MEDIA

House Number: The in-house system of identification for each piece of recorded program material. Called the house number because the code numbers differ from station to station (house to house).

*****

Expanded System: A television system consisting of equipment and procedures that allows for selection, control, recording, playback, and transmission of television pictures and sound.

*****

Aspect ratio: The width-to-height proportions of the standard television screen and therefore of all analog television pictures: 4 units wide by 3 units high. For DTV and HDTV, the aspect ratio is 16 × 9.

*****

Streaming: A way of delivering and receiving digital audio and/or video as a continuous data flow that can be listened to or watched while the delivery is in progress. .

*****

Program Proposal: Written document that outlines the process message and the major aspects of a television presentation.

*****

Compilation: Rahul Mittal

पुरस्कृत हुए टेक्नों विज़न - 2018 कार्यक्रम के विजेता

1 सितंबर 2018,दिल्ली

कंप्यूटर व आईटी विभाग, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज द्वारा एक दिसंबर को आयोजित दसवां आईटी एकेडमिक फेस्ट टेक्नों वीजन– 2018 टेक्निया परिसर के मल्टी परपज हॉल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मिस मिलन अरोरा, प्रोग्राम डाइरेक्टर, डीबीएस (डिजिटल बिजनेस सर्विस) थीं। मुख्य अतिथि मिस मिलन अरोरा कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए सूचना और तकनीक की दुनिया में क्लाउड कम्प्यूटिंग, एंड्रायड एप्लिकेशन, डाटा एनालिसिस, इंटरनेट ऑफ थिंक और कस्टमर एक्सपियरन्सेस जैसे पाँच महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य होने की बात की। कार्यक्रम के सभी जजेज विशाल खत्री, डॉ. सुधीर डाबरा, डॉ. जितेंद्र राय, मोहित तिवारी, आरती बजाज और रश्मि ईशरावत ने बहुत ही बारीकी के साथ अपना निर्णय दिया। टेक्नों वीजन–2018 के ई– पोस्टर कार्यक्रम में प्रथम स्थान महिमा ने और दूसरा स्थान रिद्धि ने प्राप्त किया। गूगल डांस कार्यक्रम में प्रथम स्थान एमबीए विभाग की श्वेता को और दूसरा स्थान बीबीए विभाग के राजन को मिला। टेक मास्टर आईटी क्विज कार्यक्रम में अभिमन्यु को प्रथम स्थान, यतीम और सान्या को संयुक्त रूप से द्वितीय और सुमन व हर्ष को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला। रैपिड कोडर्स कार्यक्रम में आशिका और रेशमी को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान व मानिक को द्वितीय स्थान मिला। बग फाइंडर कार्यक्रम में आदर्श गुप्ता और रेशमी को प्रथम स्थान तथा शिवानी गुलाटी व अंशिका राठौर को द्वितीय स्थान मिला। मिनट टू विन आईटी एक्स्टेंपोर कार्यक्रम में प्रथम स्थान एमसीए विभाग की अंजली गुप्ता को तथा बीजेएमसी विभाग के विभान्शु को द्वितीय स्थान मिला। वेबस्केप वेबसाइट डिजाइन प्रतियोगिता में बीजेएमसी विभाग के धन्या को प्रथम स्थान और एमबीए विभाग के संजय और साहिल को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान मिला। टेक–स्क्रिप्ट टेक्निकल पेपर कार्यक्रम में प्रथम स्थान आशिका को और द्वितीय स्थान एमबीए विभाग की भावना को मिला। गेस हु आई एम प्रतियोगिता में प्रिया चौधरी और प्रतीक को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान व कृतिका, दीपक और काव्यान्श को द्वितीय स्थान मिला। गेमर्स लाउंज लैन गेमिंग कार्यक्रम के काउंटी स्ट्राइक गेम में उत्कर्ष, कार्तिक, पुल्कित और कमल बाजी जीते तो वही नीड फॉर स्पीड (एनएफएस) गेम में सुयश बंसल ने बाजी को अपने नाम करने में कामयाब रहें। कार्यक्रम संयोजक मिस सानिया कक्कड़ ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्र और छात्राओं के लिए है तथा हमारा उद्देश्य यह है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों में जो एक्सपोजर का एक अवसर मिला है, वह उनके लक्ष्य की ओर प्रेरित करने में सहायक होगा। एमसीए विभागाध्यक्ष विशाल खत्री ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम का उद्देश्य सभी छात्र–छात्राओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना और उनके अंदर छिपी तकनीकी कौशल को बाहर लाना है। आईटी एकेडमिक फेस्ट में बीजे एमसी विभाग के फेकल्टी और विभिन्न क्लब के सदस्यों ने अपनी–अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन किया। टेक्निया परिसर के मल्टी परपज हॉल में आयोजित विभिन्न दस प्रतियोगी कार्यक्रमों में लगभग 150 छात्र–छात्राएं प्रतिभाग कर अपने हुनर और तकनीक का प्रदर्शन किया।

-वं.ब्यूरो

Vol. 14 **No.** 9
RNI No.: DEL/BIL/2004/14598
Publisher: Ram Kailsah Gupta on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5
Editor: Rahul Mittal, responsible for slection of News under PRB Act. All rights reserved.

IMPORTANT QUOTES

"I do not consider it an insult, but rather a compliment to be called an agnostic. I do not pretend to know where many ignorant men are sure -- that is all that agnosticism means."

- Clarence Darrow

*****

"Obstacles are those frightful things you see when you take your eyes off your goal."

- Henry Ford

*****

"I'll sleep when I'm dead."

- Warren Zevon

*****

"There are people in the world so hungry, that God cannot appear to them except in the form of bread."

- Mahatma Gandhi

*****

Compilation: Sanjay Srivastava

WINNERS v/s LOOSERS Part-85

Winners see the gain
losers see pain.

*****

Winners see possibilities
losers see problems.

*****

Winners see the potential
losers see the past.

*****

Winners are like a thermostat
losers are like thermometers

*****

Winners have dreams
Losers have schemes.

.

*****

To Be Continued In Next Issue-

Compilation: Rahul Mittal

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at: **youngstertias@gmail.com**